

## श्याम धणी का गुलशन

श्याम धणी का गुलशन महका महका लगता है,  
महफिल में मौजूद है बाबा ऐसा लगता है,  
श्याम धणी का गुलशन महका-महका लगता है,  
महफिल में मौजूद है बाबा ऐसा लगता है।।

पहुँच ना सकता सेक गमों का, मेरे दिल की बस्ती में,  
सर पर मेरे आज भी साया तेरा लगता है,  
महफिल में मौजूद है बाबा ऐसा लगता है।।

बेशक भूले जग वाले हमें, हम ना तुमको भूलेंगे,  
हर एक साँस पे बढ़ता तेरा कर्जा लगता है,  
महफिल में मौजूद है बाबा ऐसा लगता है।।

ज़र्रे ज़र्रे से अब मुझको, खुशबू तेरी आती है,  
पत्ता पत्ता याद में तेरी, डूबा लगता है,  
महफिल में मौजूद है बाबा ऐसा लगता है।।

छुप जाओ तुम जाके कहीं भी, लेकिन पहचाने जाओगे,  
चाँद से भी सुंदर जो चेहरा तेरा लगता है,  
महफिल में मौजूद है बाबा ऐसा लगता है।।

ख्वाइश है ये हम बच्चों की, पूरी करना श्याम धणी,  
नाज़ से एक दिन बोलो हमको, तू बेटा लगता है,  
महफिल में मौजूद है बाबा ऐसा लगता है,  
श्याम धणी का गुलशन महका-महका लगता है,  
महफिल में मौजूद है बाबा ऐसा लगता है।।

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/25187/title/shyam-dhani-ka-gulshan>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |